UNIVERSITY OF CALCUTTA

Notification No. CSR/ 12 /18

It is notified for information of all concerned that the Syndicate in its meeting held on 28.05.2018 (vide Item No.14) approved the Syllabi of different subjects in Undergraduate Honours / General / Major courses of studies (CBCS) under this University, as laid down in the accompanying pamphlet:

List of the subjects

Sl. No.	Subject	Sl. No.	Subject
1	Anthropology (Honours / General)	29	Mathematics (Honours / General)
2	Arabic (Honours / General)	30	Microbiology (Honours / General)
3	Persian (Honours / General)	31	Mol. Biology (General)
4	Bengali (Honours / General /LCC2 /AECC1)	32	Philosophy (Honours / General)
5	Bio-Chemistry (Honours / General)	33	Physical Education (General)
6	Botany (Honours / General)	34	Physics (Honours / General)
7	Chemistry (Honours / General)	35	Physiology (Honours / General)
8	Computer Science (Honours / General)	36	Political Science (Honours / General)
9	Defence Studies (General)	37	Psychology (Honours / General)
10	Economics (Honours / General)	38	Sanskrit (Honours / General)
11	Education (Honours / General)	39	Social Science (General)
12	Electronics (Honours / General)	40	Sociology (Honours / General)
13	English ((Honours / General/ LCC1/ LCC2/AECC1)	41	Statistics (Honours / General)
14	Environmental Science (Honours / General)	42	Urdu (Honours / General /LCC2 /AECC1)
15	Environmental Studies (AECC2)	43	Women Studies (General)
16	Film Studies (General)	44	Zoology (Honours / General)
17	Food Nutrition (Honours / General)	45	Industrial Fish and Fisheries – IFFV (Major)
18	French (General)	46	Sericulture – SRTV (Major)
19	Geography (Honours / General)	47	Computer Applications – CMAV (Major)
20	Geology (Honours / General)	48	Tourism and Travel Management – TTMV (Major)
21	Hindi (Honours / General /LCC2 /AECC1)	49	Advertising Sales Promotion and Sales Management –ASPV (Major)
22	History (Honours / General)	50	Communicative English –CMEV (Major)
23	Islamic History Culture (Honours / General)	51	Clinical Nutrition and Dietetics CNDV (Major)
24	Home Science Extension Education (General)	52	Bachelor of Business Administration (BBA) (Honours)
25	House Hold Art (General)	53	Bachelor of Fashion and Apparel Design – (B.F.A.D.) (Honours)
26	Human Development (Honours / General)	54	Bachelor of Fine Art (B.F.A.) (Honours)
27	Human Rights (General)	55	B. Music (Honours / General) and Music (General)
28	Journalism and Mass Communication (Honours / General)		

The above shall be effective from the academic session 2018-2019.

SENATE HOUSE
KOLKATA-700073
The 4th June, 2018

Paul 4/6/18
(Dr. Santanu Paul)
Deputy Registrar

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA
REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)
CORE COURSE (CC)

अंक विभाजन (सभी 14 प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

पत्र विभाजन :-

प्रथम सेमेस्टर : पत्र 1 एवं 2
द्वितीय सेमेस्टर : पत्र 3 एवं 4
तृतीय सेमेस्टर : पत्र 5,6 एवं 7
चतुर्थ सेमेस्टर : पत्र 8, 9 एवं 10
पंचम सेमेस्टर : पत्र 11, 12
छठा सेमेस्टर : पत्र 13, 14

*(प्रति सेमेस्टर अवधि : 06 महीने)

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न 2 x 15 अंक = 30
आलोचनात्मक/ व्याख्या 2 x 10 अंक= 20
टिप्पणी 3 x 5 अंक = 15

कुल योग =65 अंक

पाठ्यक्रम

HIN-A-CC-1-1-TH(TU)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
रासो काव्य, लौकिक साहित्य

- भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

- रीतिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

HIN-A-CC-1-2-TH(TU)

2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

हिंदी नवजागरण
भारतेन्दु युग
द्विवेदी युग
छायावाद
प्रयोगवाद
प्रगतिवाद
नई कविता
समकालीन कविता

- हिंदी गद्य का विकास :

स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

अनुमोदित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास रामचंद्र शुक्ल -
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी -
3. हिंदी साहित्य की भूमिका आचार्य हजारी -प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का आलोचनातमक इतिहास रामकुमार वर्मा .डॉ -
5. हिंदी साहित्य का इतिहास नगेन्द्र .डॉ .सं -
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी -
7. हिंदी साहित्य का अतीत भाग आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - 2-

8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय .डॉ -
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह .डॉ -
10. हिंदी का गद्य साहित्य रामचन्द्र तिवारी .डॉ -
11. हिंदी साहित्य का इतिहास राम सजन पाण्डेय .डॉ -
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय -
13. लोक साहित्य की भूमिका कृ .डॉ -ष्णदेव उपाध्याय
14. लोक साहित्य विमर्श .श्याम परमारडॉ -

HIN-A-CC-2-3-TH(TU)

3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

- **विद्यापति**

  निम्नलिखित 06 पद:

  सखि हे हमर दुखक नहिं ओर,मधुपुर मोहन गेल रे,मोर बिहरत छाती ,चानन भेल विषम सर रे , भूषन भेल भारी; अनुखन माधव माधव सुमरइतेमधाई सुंदरि भेलि ,; सरस बसंत समय भल पाओलदछिन पबन बहु , धीरे; मोरा रे आँगना चानन केरि गछिआताहि चढि कुररए काग रे ,;

- **कबीर**

  निम्नलिखित06 पद और10 साखी

पद- संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे; पानी बिच मेन पियासी, मन न रंगाए रंगाए जोगी कापरा, अरे इन दोहुन राह न पाई; एक अचंभा देखा रे भाईठाढ़ा सिंह चरावे गाई ,गगन घाटा घहरानी स्सधों गगन घटा घहरानी ।

साखी- सतगुरु की महिमा अनंत; बिरहा मति कहौ, आंखड़ियाँ झाई परी;माला तो कर में फिरै; जाप मरै अजपा मरै; तूँतूँ करता तू भया-; हम घर जाला आपना; कस्तुरी कुंडलि बसै; सुखिया सब संसार है; कबीर यहु घर प्रेम का;

- **जायसी–**पद्मावत (मानसरोदक खंड)
- **सूरदास**

निम्नलिखित पद 12:

अबिगत गति कछु कहत न आवै; जौं लौं मन कामना न छूटै; जसोदा हरि पालनैं झुलावैं; किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत; खेलत मैं काकौ गुसैंयाँ; मैया हौं न चरैहों गाई; बूझत स्याम कौन तू गोरी; बिनु गुपाल बैरनि भइ कुंजैं; ऊधौ धनि तुम्हारौ व्यवहार; ए अलि! कहाँ जोग में नीको; आयो घोष बड़ो व्यापारी; उर में माखन चोर गड़ै।

- **तुलसीदास**

निम्नलिखित पद 8:

ऐसी मूढ़ता या मन की; जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे; अबलौं नसानीअब न नसैहों ,; माधव मों समान जग माहीं; ऐसो को उदार जग माहीं; रघुपतिभगति करत कठिनाई-; कबहुँक हौं यह रहनि रहौंगो; जाके प्रिय न राम बैदेही।

- **रहीम**

  अंजन दियो तो किरकिरी; कहा करौं बैकुंठ लै; खरच बद्यो उद्यम घट्यो; छिमा बडन को चाहिए ; तरूवर फल नहिं खात हैं ; दादर, मोर, किसान मन; दीन सबने को लखत है; दीरघ दोहा अरथ के ; धरती की सी रीत है ; पावस देखि रहीम मन ; प्रेम पथ ऐसो कठिन ; बड़े बडाई ना करैं; यो रहिम तन हाट में ; रहिमन देखि बडेन को; रहिमन धागा प्रेम का; रहिमन निज मन की बिथा; रहिमन पर उपकार के; रहिमन पानी राखिये ; रहिमन पैडा प्रेम को; रहिमन यह संसार में ; रहिमन यों सुख होता है ; रहिमन बिद्या बुद्धि नहिं; कदली, सीप, भुजंगमुक-; रहिमन विपदा हूँ भली।

- **मीराबाई**

  निम्नलिखित 8 पद:

  यहि विधि भगति कैसे होय; मैं तो साँवरे के रंग राँची; मैं तो गिरघर के घर जाऊँ; हेरी मैं तो दरद दिवाणीदरद न जाने कोय मेरो-; कोई कहियो रे प्रभु आवन की; किण संग खेलूँ होली; म्हारो जणमरानी-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन-; पग घुँघरु बाँधी मीरा नाची रे।

- **बिहारी**

निम्नलिखित - दोहे 20

अजौं तरौना ही रह्यौ; अरुनचरन-कर-सरोरुह-; इन दुखिया अँखियान कौ; कर समेटिकच भुज - उलटि; करौ कुबत जगकुटिलता-; या अनुरागी चित्त की; जप मालाछापा तिलक ,नहिं पराग नहिं मधुर मधु; कहत नटत रीझतखिझत-;बतरस लालच लाल की; अनियारे दीरघ दृगनि; तो पर वारौं उरवसी; जबजब वै सुधि कीजियै-; को छूट्यौ इहि जाल; चटक न छाड़त घटत हूँ; जो चाहै चटक न छटै; औंधाई सीसी सुलखि; दृग उरझत टूटत कुटुम; लिखन बैठि जाकी सबी; जिन दिन देखे वे कुसुम।

- **घनानन्द**

  निम्नलिखित 07 पद -

  झलकै अति सुन्दर आनन गौर; भए अति निठुरमिटाय पहचानि डारी ,; हीन भएँ जल मीन अधीन; मीत सुजान अनीत करौ जिन; प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान कहौ; रावरे रूप की रीति अनूप; अति सूधो सनेह को मारग है।

- **रसखान**

  निम्नलिखित 06 सवैये :

  मानुस हौं तो वही रसखान,मोरपखा मुरली संभाल,फागुन लाग्यो सखि जब तें,कंचन मदिर ऊंचे बनाई के,सोहट है चंदवा सिर मोर को ,कान्ह भए बस बांसुरी के,

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

- विद्यापति पदावली - रामवृक्ष बेनीपुरी
- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दस
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पाण्डेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस
- पद्मावत - सं. रामचन्द्र शुक्ल
- मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली रामकिशोर शर्मा .डॉ (.-
- बिहारी प्रकाश - श्वनाथ प्रसाद मिश्रआचार्य वि .सं
- घनानंद कवित्त -)संआचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (.
- रहीम - सं . विद्यानिवास मिश्र
- रसखान रचनावली - वाणी प्रकाशन

अनुमोदित ग्रंथ –

विद्यापति - डॉशिवप्रसाद सिंह .

विद्यापति - डॉ आनंद प्रसाद .दीक्षित

मैथिल कोकिल विद्यापति - डॉकृष्णदेव झारी .

हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय- पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर

हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि गोविन्द त्रिगुणा .डॉ -यत

कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर

कबीर साहित्य का अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी

कबीर -संबासुदेव सिंह .

भक्ति आंदोलन का अध्ययन -रतिभानु सिंह नाहर

तुलसी की साहित्य साधना -डॉलल्लन राय .

तुलसी -डॉउदय भानु सिंह .

तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित

गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी

भक्ति आंदोलन और सूदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास -नंद दुलारे वाजपेयी

सूरदास -संहर .वंश लाल शर्मा

सूरदास -ब्रजेश्वर वर्मा

मीरा का काव्य -डॉविश्वनाथ त्रिपाठी .

मीरा की काव्य कला - देशराज सिंह भाटी

मीराबाई भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन भगवानदास -तिवारी

बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह

बिहारी सतसई का पुनर्पाठ -रामदेव शुक्ल

हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और महाकवि बिहारी - इन्द्रनाथ मदान

मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी -डॉरामसागर त्रिपाठी .

घनानंद और स्वच्छन्द काव्य धारा -डॉमनोहरलाल गौड़ .

घनानंद का काव्य -रामदेव शुक्ल

HIN-A-CC-2-4-TH(TU)

4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

- **भारतेन्दु**
  नए जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)
- **अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध**
  एक तिनका,कर्मवीर,सरिता,खद्योत,फूल और कांटा
- **मैथिलीशरण गुप्त**
  यशोधरा (महाभिनिष्क्रमण)
- **रामनरेश त्रिपाठी**
  अन्वेषण
- **जयशंकर प्रसाद**
  हिमाद्रि तुंग शृंग से; अरुण यह मधुमय देश हमारा; तुम कनक किरण के अन्तराल में; उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; ले चल वहाँ भुलावा देकर; पेशोला की प्रतिध्वनि।
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**
  संध्यासुंदरी-; तुम और मैं; अधिवास; जागो फिर एक बार2-; गहन है यह अंधकारा; स्नेह निर्झर बह गया है; ध्वनि ; दगा की; चर्खा चला; मास्को डायलाग्स।
- **सुमित्रानंदन पंत**

प्रथम रश्मि; बादल; मौननिमंत्रण-; ताज; भारतमाता-; गा कोकिल बरसा पावक कण; मैं नहीं चाहता चिर सुख; धूप का टुकड़ा; संध्या।

- **महादेवी वर्मा**

  धीरेधीरे उतर क्षितिज से-; विरह का जलजात जीवन; क्या पूजन क्या अर्चन रे?; मैं नीर भरी दु:ख की बदली; चिर सजग आँखे उनींदी; पंथ रहने दो अपरिचित; यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

1. यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त
2. भारतेन्दु समग्र : सं. नागरी प्रचारिणी सभा
3. काव्योपवन : हरिऔध
4. लहर : जयशंकर प्रसाद
5. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
6. परिमल : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
7. नये पत्ते : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
8. राग विराग-: संरामविलास शर्मा .
9. आधुनिक कवि पंत : हिंदी साहित्य सम्मेलन; इलाहाबाद
10. महादेवी प्रतिनिधि कविताएँ : राजपाल एण्ड सन्स
11. मानसी (रामनरेश त्रिपाठी काव्य संग्रह) : सं. श्री गोपाल नेवटिया ,हिन्दी मंदिर ,प्रयाग
12. हरिऔध - काव्योपवन

अनुमोदित ग्रंथ -

1. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य कमलाकांत पाठक .डॉ -
2. यशोधरा का काव्य सौंदर्यदुर्गाशंकर मिश्र -
3. गुप्त जी की काव्यधारा : गिरिजा दत्त शुक्ल
4. कविवर प्रसाद आँसू तथा अन्य कृतियाँ ,: विनय मोहन शर्मा
5. छायावाद : नामवर सिंह
6. प्रसाद का काव्य : डॉप्रेम शंकर .
7. कवि प्रसाद एक अध्ययन : रामरतन भटनागर
8. पंत प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त ,: रामधारी सिंह दिनकर
9. निराला की साहित्य साधना 2-भाग-: रामविलास शर्मा
10. नवजागरण और छायावाद : महेन्द्रनाथ राय
11. निराला काव्य की छवियाँ : नंद किशोर नवल
12. निराला काव्य के आयाम : डॉइन्द्रराज सिंह .
13. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह

14. सुमित्रानंदन पंत : डॉनगेन्द्र .
15. सुमित्रानंदन पंत : शांति जोशी
16. पंत : इन्द्र नाथ मदान (.सं)
17. पंत सहचर : अपूर्वानंद (संपादक)
18. महादेवी : इन्द्रनाथ मदान (.सं)
19. महादेवी : दूधनाथ सिंह
20. महादेवी : परमानंद श्रीवास्तव (.सं)
21. सुभद्रा कुमारी चौहान और राष्ट्रीय चेतना : डॉश्रीमती मालती सिंह ,श्रीमती चम्पा सिंह .
22. आधुनिक हिंदी कविता में परंपरा और प्रयोग : डॉगोपाल दत्ता सारस् .वत

HIN-A-CC-3-5-TH(TU)

5. छायावादोत्तर हिंदी कविता

- **केदारनाथ अग्रवाल**
  जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ है, हमारी जिंदगी, पहला पानी, मजदूर के जन्म पर, ओस की बूंद कहती है, मात देना नहीं जानती।
- **नागार्जुन**
  बादल को घिरते देखा है; प्रतिबद्ध हूँ; अकाल और उसके बाद; घिन तो नहीं आती; बहुत दिनों के बाद; शासन की बंदूक; कालिदास सच-सच बतलाना,तुम किशोर तुम तरुण; मनुष्य हूँ।
- **रामधारी सिंह 'दिनकर'**
  रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)
- **माखनलाल चतुर्वेदी**
  कैदी और कोकिला;पुष्प की अभिलाषा;बदरिया थम-थमकर झर री! ;
- **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'**
  यह दीप अकेला; मैं वहाँ हूँ; कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; एक बूँद सहसा उछली; हरी घास पर क्षण भर; कितनी नावों में कितनी बार।
- **भवानीप्रसाद मिश्र**
  गीत फ़रोश , सतपुड़ा के जंगल, कला-1, कला-2, बुनी हुई रस्सी, कठपुतली ।
- **रघुवीर सहाय**
  हँसो हँसो जल्दी हँसो,रामदास,पढ़िये गीता,दुनिया,राष्ट्रगीत, तोड़ो
- **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना**
  प्रार्थना1-; काठ की घंटियाँ; भूख; पाठशाला खुला दो महाराज,लीक पर वे चलें,आत्मसाक्षात्कार-; व्यंग्य मत बोलो।
- **गिरिजा कुमार माथुर**

इतिहास की कालहीन कसौटी,पंद्रह अगस्त,दो पाटों की दुनिया,आदमी का अनुपात, छाया मत छूना, नया बनने का दर्द

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

1. रश्मिरथी : रामधारी सिंह दिनकर
2. अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
3. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
4. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
5. भवानी प्रसाद मिश्र : प्रतिनिधि रचनाएँ - राजकमल प्रकाशन
6. रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि रचनाएँ - राजकमल प्रकाशन
7. केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि रचनाएँ - राजकमल प्रकाशन

अनुमोदित ग्रंथ -

1. युगचारण दिनकर : डॉसावित्री सिन्हा .
2. राष्ट्रकवि दिनकर : गोपाल राय (.सं)
3. नयी कविता : स्वरूप और समस्या : डॉजगदीश गुप्त .
4. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : डॉरामस्वरूप चतुर्वेदी .
5. नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
6. नागार्जुन : परमानंद श्रीवास्तव (.सं)
7. नागार्जुन की काव्ययात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
8. साठोत्तरी हिंदी कविता में जनवादी चेतना: नरेन्द्र सिंह
9. प्रयोगवाद और नयी कविता : डॉशंभुनाथ सिंह .
10. सर्वेश्वर और उनकी कविता : कृष्णदत्त पालीवाल
11. सर्वेश्वर मुक्तिबोध और अज्ञेय : डॉकृपाशंकर पाण्डेय .
12. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : रामकमल राय

HIN-A-CC-3-6-TH(TU)

6. भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का

वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।

- रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।

अनुमोदित ग्रंथ -

1. **भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका न .डॉ -गेन्द्र**
2. **भरतीय काव्यशास्त्र भगीरथ मिश्र .डॉ -**
3. **भारतीय काव्यशास्त्र सत्यदेव चौधरी -**
4. **भारतीय काव्य तत्त्व विमर्श राममूर्ति त्रिपाठी -**
5. **भारतीय काव्य शास्त्र की नयी व्याख्या राममूर्ति त्रिपाठी -**

HIN-A-CC-3-7-TH(TU)

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वड्र्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज – कल्पना और फैन्टेसी।
- क्रोचे – अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचडर्स – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा।
- मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद**,उत्तर संरचनावाद।**

अनुमोदित ग्रंथ -

1. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र देवेन्द्र नाथ शर्मा -**
2. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र .डॉ -रामपूजन तिवारी**
3. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास तारक नाथ बाली .डॉ -**
4. **हजारी प्रसाद द्विवेदी विश्वनाथ प्रसाद तिवारी .सं -**

5. मार्क्सवादी साहित्य सिद्धांत : इतिहास तथा चिंतन शिवकुमार मिश्र -
6. हिंदी आलोचना के बीजशब्द बच्चन सिहं -
7. आधुनिकता और उत्तर.डॉ - आधुनिकतावाद- जगदीश्वर चतुर्वेदीचन्द्रा पाण्डेय ,
8. यथार्थवाद शिवकुमार मिश्र -
9. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली अमरनाथ .डॉ -

HIN-A-CC-4-8-TH(TU)

8. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

अनुमोदित ग्रंथ-

1. भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा भोलानाथ तिवारी .डॉ -
2. भाषा विज्ञान की भूमिका देवेन्द्र नाथ शर्मा -
3. भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव -
4. हिंदी भाषा का इतिहास भोलानाथ तिवारी .डॉ -
5. हिंदी भाषा हरदेव बाहरी -
6. प्रयोजनमूलक हिंदी विनोद गोदरे -
7. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग दंगल झाल्टे -
8. व्यावहारिक हिंदी पत्राचार दंगल झाल्टे -
9. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण रमेशचंद्र मेहरोत्रा -
10. मानक हिंदी स्वरूप और संरचना रामप्रकाश .डॉ -
11. परिष्कृत हिंदी व्याकरण बदरीनाथ कपूर -

HIN-A-CC-4-9-TH(TU)

9. हिंदी उपन्यास

- गबन – प्रेमचंद
- त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा
- मानस का हंस – अमृतलाल नागर
- महाभोज – मन्नू भंडारी

अनुमोदित ग्रंथ-

1. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास – डॉसुरेश सिनहा .
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉगोपाल राय .
3. उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
4. हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरेश
5. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख – संइन्द्रनाथ मदान .
6. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा
7. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान –कमल किशोर गोयनका
8. प्रेमचंद – संविश्वनाथ प्रसाद तिवारी .
9. मन्नू भंडारी का रचनात्मक अवदानसुधा रोड़ा .सं-
10. जैनेन्द्र साहित्य और समीक्षा – रामरतन भटनागर

HIN-A-CC-4-10-TH(TU)

10. हिंदी कहानी

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात : प्रेमचंद
- आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत : सुदर्शन
- पाजेब : जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ 'रेणु'
- मिस पाल : मोहन राकेश
- परिन्दे : निर्मल वर्मा

- दोपहर का भोजन : अमरकांत
- सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती
- पिता : ज्ञानरंजन

अनुमोदित ग्रंथ-

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास सुरेश सिन्हा .डॉ -
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख इन्द्रनाथ मदान .सं -
3. कहानी : नयी कहानी नामवर सिंह -
4. कहानी शिल्प और संवेदना राजेन्द्र यादव -
5. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति देवीशंकर अवस्थी -
6. हिंदी कहानी का विकास मधुरेश -
7. जनवादी कहानी रमेश उपाध्याय -
8. यशपाल मधुरेश -
9. निर्मल वर्मा -संअशोक बाजपेयी .

HIN-A-CC-5-11-TH(TU)

11. हिंदी नाटक एवं एकांकी

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन ': मोहन राकेश
- माधवी : भीष्म साहनी

एकांकी

- औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
- विषकन्या : गोविन्द बल्लभ पंत
- और वह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर
- भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर

अनुमोदित ग्रंथ -

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास दशरथ ओझा -
2. रंग परंपरा नेमिचंद्र जैन -
3. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच नेमिचंद्र जैन -
4. प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना गोविन्द चातक -
5. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच जयदेव तनेजा -
6. हिंदी नाटक : आज कल जयदेव तनेजा -
7. राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक इंदुमती सिंह .डॉ -

8. मोहन राकेश और उनके नाटक गिरीश रस्तोगी -
9. नाटककार डॉमिथिलेश कुमारी मिश्रा.डॉ -रामकुमार वर्मा .
10. हिंदी एकांकी : उद्‌भव और विकास रामचरण महेंद्र .डॉ -
11. एकांकी और एकांकीकार रामचरण महेंद्र .डॉ -
12. हिंदी एकांकी सत्येंद्र -
13. एकांकी और एकांकी सुरेंद्र यादव .डॉ -

HIN-A-CC-5-12-TH(TU)

12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

- सरदार पूर्ण सिंह– मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया
- डॉ. नगेन्द्र – दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
- विष्णुकांत शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक

अनुमोदित ग्रंथ -

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. गद्य साहित्य का उद्भव और विकास – संशम्भुनाथ पाण्डेय .डॉ .
3. हिंदी गद्य साहित्य – शिवदान सिंह चौहान
4. हिंदी का सामयिक गद्य : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी गद्य साहित्य के विविध रूपों का उद्भव और विकास – डॉबलवन्त लक्ष्मण .
6. साहित्य की विधाएँ – डॉ. रामलखन शुक्ल
7. गद्यकार प्रसाद – शंभुनाथ पाण्डेय
8. हिन्दी निबंध की विभिन्न शैलियाँ – संमोहन अवस्थी .डॉ .
9. कथा के तत्त्व – डॉगोविन्द त्रिगुणायत .
10. साहित्य विविध विधाएँ – शशि सहगल
11. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉहरिमोहन .
12. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
13. हिंदी रेखाचित्र उद्भव और विकास – कृपाशंकर सिंह

14. हिंदी ललित निबंध– स्वरूप विवेचन- वेदवती राठी
15. यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास – डॉसुरेंद्र माथुर .
16. हिंदी आत्मकथा – डॉशर्मा .नारायण वि .

HIN-A-CC-6-13-TH(TU)

13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

- साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व।
- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ :बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, स्वेदश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

अनुमोदित ग्रंथ -

1. **पत्रकारिता : इतिहासऔरप्रश्न**
2. **समाचारफीचरलेखनएवंसंपादनकला- हरिमोहन**
3. **समाचारएवंप्ररूपलेखन-दिनेशगुप्त**
4. **हिन्दीपत्रकारिताऔरजनसंचार- ठाकुरदत्तआलोक**
5. **हिन्दीपत्रकारिताकेइतिहासकीभूमिका-जगदीश्वरचतुर्वेदी**
6. **जनसंचारऔरहिन्दीपत्रकारिता-अर्जुनतिवारी**

HIN-A-CC-6-14-TH(TU)

14. प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी,
- बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता–प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण,

- वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण,
- संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख
- लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा
- व्यावसायिक पत्र–लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

.....

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA
B.A. (HONOURS) HINDI
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE)
HINA-DSE

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहतउत्तरीय प्रश्न	3 x 15 अंक = 45
टिप्पणी	5 x 4 अंक = 20

कुल योग = 65 अंक

सेमेस्टर v में कोई दो पाठ्यक्रम:- (ग्रुप A एवं ग्रुप B मिलाकर)

Group –A1

(निम्नलिखित दो में से कोई एक चुनें:-)

1. लोकसाहित्य
2. राष्ट्रीय काव्यधारा

Group –B1

(निम्नलिखित दो में से कोई एक चुनें:-)

3. अस्मितामूलकविमर्शऔरहिंदीसाहित्य
4. छायावाद

सेमेस्टर vi में कोई दो पाठ्यक्रम:- (ग्रुप A एवं ग्रुप B मिलाकर)

Group –A2

(निम्नलिखित दो में से कोई एक चुनें:-)

5. प्रवासी साहित्य

6. तुलसीदास

Group –B2

(निम्नलिखित दो में से कोई एक चुनें:-)

7. हिंदी संत काव्य

8. प्रेमचंद

HIN-A-DSE-A(1)-5-TH(TU)

निम्नलिखित दो में से छात्र कोई एक पाठ्यक्रम चुने

1. लोकसाहित्य

- लोकऔरलोकवार्ता, लोकसंस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ताऔरलोकसंस्कृति,
- लोकसंस्कृतिऔरसाहित्य, साहित्य औरलोककाअंतःसंबंध, लोकसाहित्य का
- अन्य सामाजिकविज्ञानोंसेसंबंध, लोकसाहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारतमेंलोकसाहित्य के अध्ययन काइतिहास, लोकसाहित्य के प्रमुख रूपोंका
- वर्गीकरण।लोकगीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड,
- तमाशा, नौटंकी।हिन्दीलोकनाट्य की परम्परा एवंप्रविधि। हिन्दीनाटक एवंरंगमंच
- परलोकनाट्योंकाप्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ औरअंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोकसंभाषितमुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवंलोकसंगीत।

2. राष्ट्रीय काव्यधारा

- मैथिलीशरणगुप्त
- माखनलालचतुर्वेदी
- सोहनलाल द्विवेदी
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- रामधारी सिंह 'दिनकर'

HIN-A-DSE-B(1)-5-TH(TU)

निम्नलिखित दो में से छात्र कोई एक पाठ्यक्रम चुने

3. अस्मितामूलकविमर्शऔरहिंदीसाहित्य

- विमर्शों की सैद्धांतिकी :

(क) दलितविमर्श : अवधारणाऔरआंदोलन, फुलेऔरअम्बेडकर
(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाऔरमुक्तिआंदोलन (पाश्चात्य औरभारतीय संदर्भ)
(ग) आदिवासीविमर्श : अवधारणाऔरआंदोलन

- विमर्शमूलककथासाहित्य :

1. ओमप्रकाशवाल्मीकि–सलाम
2. जयप्रकाशकर्दम–नौबार,
3. हरिराममीणा– धूणी तपेतीर, पृष्ठ संख्या : 158–167
4. मोहनदासनैमिशराय : मुक्तिपर्व (उपन्यास) काअंश (पृष्ठ 24 से 33)
5. सुमित्रा कुमारीसिन्हा–व्यक्तित्व की भूख
6. नासिरा शर्मा– खुदा की वापसी

- विमर्शमूलककविता :

(क) दलितकविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तकपड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा), कालीचरणसनेही (दलित विमर्श), माताप्रसाद (सोनवा का पिंजरा)
(ख) स्त्री कविता : 1. कीर्तिचौधरी : सीमारेखा, 2. कात्यायनी : सातभाइयों के बीचचम्पा, 3. सविता सिंह : मैंकिसकीऔरतहूँ

- विमर्शमूलकअन्य गद्य विधाएँ :

1. प्रभा खेतान : अन्यासेअनन्या, पृष्ठ 28–42 तक
2. तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरीचाचासेप्रारंभ, पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवीवर्मा : स्त्री के अर्थस्वातंत्र्य काप्रश्न
4. डॉ. धर्मवीर : अभिशप्तचिंतनसेइतिहासचिंतनकीओर

4. छायावाद

- जयशंकरप्रसाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- सुमित्रानंदनपंत
- महादेवीवर्मा

  (उपर्युक्त कवियों की चयनितरचनाएँ विश्वविद्यालय अपनीअपेक्षा के अनुरूपपाठ्यक्रममें रख सकते हैं।)

HIN-A-DSE-A(2)-6-TH(TU)

निम्नलिखित दो में से छात्र कोई एक पाठ्यक्रम चुने

5. प्रवासी साहित्य

उपन्यास

- अभिमन्यु अनत – लाल पसीना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- सुषम बेदी – लौटना, पराग प्रकाशन, नयी दिल्ली
- नीना पॉल – कुछ गांव गांव कुछ शहर शहर, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- दिव्य माथुर – शाम भर बातें, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

कहानियाँ

- तेजेन्द्र शर्मा – कोख का किराया
- जकिया जुबेरी – सांकल
- जय वर्मा – गुलमोहर
- सुधा ओम ढींगरा – कौन सी जमीन अपनी
- उषा राजे सक्सेना – ऑन्टोप्रेन्योर
- पूर्णिमा बर्मन – यों ही चलते हुए
- अनिल प्रभा कुमार – बेमौसम की बर्फ

6.तुलसीदास

- रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 185 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर
- कवितावली (उत्तर काण्ड 30 छंद, पद संख्या 29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 74, 84, 88, 89, 102, 103, 108, 119, 122, 126, 132, 134, 136, 140, 141, 146,
- 153, 155, 161, 165, 182, 229) गीताप्रेस, गोरखपुर।
- गीतावली (बालकाण्ड, 20 पद, पद संख्या 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97, 101, 104, 105, 106, 107, 110) गीताप्रेस, गोरखपुर
- विनय पत्रिका– (40 पद, पद संख्या 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272) गीताप्रेस, गोरखपुर

HIN-A-DSE-B(2)-6-TH(TU)

निम्नलिखित दो में से छात्र कोई एक पाठ्यक्रम चुने

7. हिंदी संत काव्य

- नामदेव
- कबीरदास
- रैदास
- जंभनाथ
- दादूदयाल
- सुन्दरदास (छोटे)
- पल्टूदास
- गुलाल साहब

8. प्रेमचंद

- उपन्यास–सेवासदन
- नाटक–कर्बला
- निबंध –साहित्य काउद्देश्य
- कहानियाँ –पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, दोबैलों की कथा।

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A.(HONOURS) HINDI

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

HINA-SEC

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 80 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

	कुल योग-	100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न	2 x 15 अंक = 30
व्यावहारिक प्रश्न	3 x 10 अंक = 30
टिप्पणी	4 x 5 अंक = 20

	कुल योग =80

---------- **Semester 3**

HIN-A-SEC-A-3-1-TH

(निम्न में से छात्र किसी एक पत्र को चुने):-

1. विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग
2. साहित्य और हिंदी सिनेमा

Semester 4

HIN-A-SEC-B-4-2-TH

(निम्न में से छात्र किसी एक पत्र को चुने) :-

3. अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि
4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

HIN-A-SEC-A-3-1-TH

1 विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग

- विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार,
- विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त।
- विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज।
- उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की
- भूमिका।
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।
- विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)।
- विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।

2.साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा,
- मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :
- आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
- 1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
- 1970 से 1990 : गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।

- 1990 से अद्यतन : तारे ज़मीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

HIN-A-SEC-B-4-2-TH

3. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व।
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद।
- अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष – पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
  क. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद – हंस कुमार तिवारी
  ख. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद
- 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

- माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भाषा–प्रयोग : लेखन, सम्पादन और प्रसारण का संदर्भ। रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा एवं वीडियो का व्याकरण एवं भाषिक वैशिष्ट्य।
- भाषा–प्रयोग : परिचय, संगीत, संलाप एवं एकालाप, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कथन, सहप्रयोग। श्रव्य–माध्यम और भाषा की प्रकृति, तान–अनुतान की समस्या, ध्वनि प्रभाव और निःशब्दता, मानक उच्चारण, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तिकरण।
- दृश्य–श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, सिनेमाई भाषा और संवाद की अदायगी।
- रेडियो–लेखन : रेडियो पत्रिका, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन। एफ.एमबैण्

ड पर प्रसारणार्थ शैक्षिक–सामग्री का सृजन।

- टेलीविजन–लेखन : समाचार, धारावाहिक, चर्चा–परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संरचना और प्रस्तुति।
- सिनेमा : 'सुजाता', 'शतरंज के खिलाड़ी' जैसी फिल्मों के बहाने हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा पर विचार। फिल्म–समीक्षा लेखन।

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA
REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)
HINA/HING-AECC-1-1-TH/MIL
80 अंक

अंक विभाजन :-

सभी प्रश्न बहुविकल्पीय रहेंगे । (40**x 2 =**80)

पाठ्यक्रम :-

- **निबंध**:

नाखून क्यों बढ़ते हैं **?** - हजारीप्रसादद्विवेदी**,** घीसा - महादेवीवर्मा**,** पर्यावरणसंरक्षण - शुकदेवप्रसाद**,** धूमकेतु - गुणाकर मुले

- **कविताएँ**:

(i) बीती विभावरी जाग री - जयशंकरप्रसाद

(ii) पैतृकसंपत्ति **(**जबबापमरा**…)** - केदारनाथअग्रवाल

(iii) उनकोप्रणाम - नागार्जुन

(iv) होगईहैपीरपर्वतसी - दुष्यंतकुमार

(v) धार्मिकदंगोंकीराजनीति - शमशेरबहादुरसिंह

- **कहानियाँ:**

1. मंत्र - प्रेमचंद
2. भोलारामकाजीव - हरिशंकरपरसाई
3. त्रिशंकु - मन्नूभंडारी
4. पाली - यशपाल

- **पारिभाषिकशब्दावली (**100 **शब्द):**

1.	**Accountability**	जवाबदेही
2.	**Ad-hoc**	तदर्थ
3.	**Adjournment**	स्थगन
4.	**Adjustment**	समायोजन

5. Agenda	कार्यसूची
6. Agreement	अनुबंध
7. Allotment	आवंटन
8. Allowance	भत्ता
9. Approval	अनुमोदन
10. Authority	प्राधिकरण
11. Autonomous	स्वायत्त
12. Bonafide	वास्तविक
13. Bye-law	उप-विधि
14. Charge	प्रभार
15. Circular	परिपत्र
16. Compensation	क्षतिपूर्ति
17. Confirmation	पुष्टि
18. Consent	सहमति
19. Contract	संविदा
20. Discretion	विवेक
21. Enclosure	अनुलग्नक
22. Ex-Office	पदेन
23. Honorarium	मानदेय
24. Infrastructure	आधारभूत, संरचना
25. Memorandum	ज्ञापन
26. Modus operandi	कार्य-प्रणाली
27. Notification	अधिसूचना
28. Officiating	स्थानापन्न
29. Postponement	स्थगन
30. Proceedings	कार्यवाही
31. Record	अभिलेख
32. Retirement	सेवानिवृत्ति
33. Stagnation	गतिरोध
34. Verification	सत्यापन

व्यावसायिक, वाणिज्यिकएवंसंचार-माध्यमसंबंधीशब्दावली

35. Account	लेखा/खाता
36. Accountant	लेखपाल
37. Adjustment	समायोजन
38. At-par	सममूल्यपर
39. Audio-Visual display	दृश्य-श्रव्यप्रदर्श
40. Audit	लेखा-परीक्षा
41. Audition	स्वर/ध्वनिपरीक्षण
42. Auditorium	प्रेक्षागृह
43. Authentic	प्रामाणिक
44. Back dated	पूर्व-दिनांकित
45. Bail	जमानत
46. Bank-Guaranty	बैंकप्रत्याभूति
47. Bearer	वाहक
48. Cash Balance	रोकड़बाकी
49. Clearing	समाशोधन
50. Commission	दलाली
51. Confiscation	अधिहरण
52. Convertible	परिवर्तनीय
53. Currency	मुद्रा
54. Current	चालूखाता
55. Divident	लाभांश
56. Documentation	प्रलेखन
57. Endorsement	बंदोबस्ती
58. Exchange	विनिमय
59. Finance	वित्त
60. Fixed Deposit	सावधिजमा
61. Forfeiture	जब्ती

62. Guaranty	प्रत्याभूति
63. Indemnity Bond	क्षतिपूर्तिबंध
64. Insolvency	दिवाला
65. Investment	निवेश
66. Lease	पट्टा
67. Long term credit	दीर्घावधिउधार
68. Lumpsum	एकमुश्त
69. Mobilisation	संग्रहण
70. Moratorium	भुगतान-स्थगन
71. Mortgage	गिरवी
72. Output	उत्पादन
73. Outstanding	बकाया
74. Payable	देय
75. Payment	भुगतान
76. Progressive-note	रुक्का/हुण्डी
77. Realization	वसूली
78. Recommendation	संस्तुति
79. Rectification	परिशोधन
80. Recurring	आवर्ती
81. Redeemable	प्रतिदेय
82. Renewal	नवीकरण
83. Revenue	राजस्व
84. Sensex	शेयरसूचकांक
85. Security	प्रतिभूति
86. Short-term credit	अल्पावधिउधार
87. Squeeze	अधिसंकुचन
88. Sur-charge	अधिभार
89. Suspense Account	उचंतलेखा
90. Trade Mark	मार्का
91. Transaction	लेनदेन

92. Transfer	अंतरण
93. Turn over	पण्यावर्त
94. Undervaluation	अल्पमूल्यांकन
95. Validity	वैधता
96. Vault	तहखाना
97. Warranty	आश्वस्ति
98. Withdrawal	आहरण
99. Working Capital	कार्यशीलपूंजी
100. Winding up	समेटना

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

B.A. HINDI

CORE COURSE (CC) / GENERIC ELECTIVE(GE)

HING-CC /GE

अंक विभाजन (सभी 4 प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

पत्र विभाजन :-

प्रथम सेमेस्टर : पत्र 1
द्वितीय सेमेस्टर : पत्र 2
तृतीय सेमेस्टर : पत्र 3
चतुर्थ सेमेस्टर : पत्र 4

*(प्रति सेमेस्टर अवधि : 06 महीने)

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न 2 x 15 अंक = 30
आलोचनात्मक/ व्याख्या 2 x 10 अंक= 20
टिप्पणी 3 x 5 अंक = 15

कुल योग =65 अंक

पाठ्यक्रम

HIN-G-CC-1-1-TH(TU)

1. हिंदीसाहित्य काइतिहास

कालविभाजन एवंनामकरण, आदिकालीनकाव्य धाराएँ –सिद्ध, नाथ एवंजैनसाहित्य, प्रमुख रासोकाव्य, आदिकालीनहिन्दीसाहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

भक्तिआन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिकपृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुणकवि, प्रमुख सगुणकवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथारीतिमुक्तकवि।

1857 का स्वतंत्रतासंघर्षऔरहिन्दीनवजागरण, भारतेन्दु युगीनसाहित्य की विशेषताएँ, महावीरप्रसाद द्विवेदीऔरउनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखकऔरकवि, मैथिलीशरणगुप्तऔरराष्ट्रीय काव्यधारा।हिन्दीमें गद्य विधाओंकाउद्भवऔरविकास–उपन्यास, कहानी, नाटक,

अनुमोदित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास रामचंद्र शुक्ल -
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी -
3. हिंदी साहित्य की भूमिका आचार्य हजारी -प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का आलोचनातमक इतिहास रामकुमार वर्मा .डॉ -
5. हिंदी साहित्य का इतिहास नगेन्द्र .डॉ .सं -
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी -
7. हिंदी साहित्य का अतीत भाग आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - 2-
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय .डॉ -
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह .डॉ -
10. हिंदी का गद्य साहित्य रामचन्द्र तिवारी .डॉ -
11. हिंदी साहित्य का इतिहास राम सजन पाण्डेय .डॉ -
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय -
13. लोक साहित्य की भूमिका कृ .डॉ -ष्णदेव उपाध्याय
14. लोक साहित्य विमर्श .डॉश्याम परमार -

HIN-G-CC-2-2-TH(TU)

2. मध्यकालीनहिंदीकविता

1. **कबीरदास**

पद- संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे; पानी बिच मेन पियासी, मन न रंगाए रंगाए जोगी कापरा, अरे इन दोहुन राह न पाई; एक अचंभा देखा रे भाईठाढ़ा सिंह चरावे गाई ,गगन घाटा घहरानी स्सधौं गगन घटा घहरानी ।

2. **सूरदास**

पद-अबिगत गति कछु कहत न आवै; जौं लौं मन कामना न छूटै; जसोदा हरि पालनैं झुलावैं; किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत; खेलत मैं काकौ गुसैंयाँ; मैया हौं न चरैहों गाई; बूझत स्याम कौन तू गोरी; बिनु गुपाल बैरनि भइ कुंजैं; ऊधौ धनि तुम्हारौ व्यवहार;

3. **तुलसीदास**

पद - ऐसी मूढ़ता या मन की; जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे; अबलौं नसानीअब न नसैहों ,; माधव मों समान जग माहीं; ऐसो को उदार जग माहीं; रघुपतिभगति करत कठिनाई-; कबहुँक हौं यह रहनि रहौंगो; जाके प्रिय न राम बैदेही।

4. **मीराबाई**

पद- यहि विधि भगति कैसे होय; मैं तो साँवरे के रंग राँची; मैं तो गिरघर के घर जाऊँ; हेरी मैं तो दरद दिवाणीमेरो दरद न जाने कोय-; कोई कहियो रे प्रभु आवन की; किण संग खेलूँ होली; म्हारो जणमरानी-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन-; पग घुँघरु बाँधी मीरा नाची रे।

5. **रसखान**

पद-मानुस हौं तो वही रसखान,मोरपखा मुरली संभाल,फागुन लाग्यो सखि जब तें,कंचन मदिर ऊंचे बनाई के,सोहट है चंदवा सिर मोर को ,कान्ह भए बस बांसुरी के,

6. **बिहारी**

पद-अजौं तरौना ही रह्यौ; अरुनचरन-कर-सरोरुह-; इन दुखिया अँखियान कौ; कर समेटिकच भुज - उलटि; करौ कुबत जगकुटिलता-; या अनुरागी चित्त की; जप मालाछापा तिलक ,नहिं पराग नहिं मधुर मधु; कहत नटत रीझतखिझत-;बतरस लालच लाल की; अनियारे दीरघ दृगनि;

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दस
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पाण्डेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस
- मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली रामकिशोर शर्मा .डॉ (.-
- बिहारी प्रकाश - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र .सं
- रहीम - सं . विद्यानिवास मिश्र

अनुमोदित ग्रंथ –

हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय- पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर

हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि गोविन्द त्रिगुणा .डॉ -यत

कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर

कबीर साहित्य का अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी

कबीर -संबासुदेव सिंह .

भक्ति आंदोलन का अध्ययन -रतिभानु सिंह नाहर

तुलसी की साहित्य साधना -डॉलल्लन राय .

तुलसी -डॉउदय भानु सिंह .

तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित

गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी

भक्ति आंदोलन और सूदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास -नंद दुलारे वाजपेयी

सूरदास -संहर .वंश लाल शर्मा

सूरदास -ब्रजेश्वर वर्मा

मीरा का काव्य -डॉविश्वनाथ त्रिपाठी .

मीरा की काव्य कला - देशराज सिंह भाटी

मीराबाई भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन भगवानदास -तिवारी

बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह

बिहारी सतसई का पुनर्पाठ -रामदेव शुक्ल

हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और महाकवि बिहारी - इन्द्रनाथ मदान

मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी -डॉरामसागर त्रिपाठी .

HIN-G-CC-3-3-TH(TU)

3. आधुनिकहिंदीकविता

1.**भारतेन्दु हरिश्चन्द्र**

नए जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)

2. **मैथिलीशरणगुप्त**

   यशोधरा महाभिनिष्क्रमण)

3. **जयशकं र प्रसाद**

   हिमाद्रि तुंग शृंग से; अरुण यह मधुमय देश हमारा; तुम कनक किरण के अन्तराल में; उठउठ - लघु लोल लहर-री लघु; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; ले चल वहाँ भुलावा देकर;

4. **सूर्यकातं त्रिपाठीनिराला**

   संध्यासुंदरी-; तुम और मैं; अधिवास; जागो फिर एक बार2-; गहन है यह अंधकारा; स्नेह निर्झर बह गया है; ध्वनि ; दगा की;

5. **सच्चिदानंदहीरानंदवात्स्यायन 'अज्ञेय'**

   यह दीप अकेला; मैं वहाँ हूँ; कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; एक बूँद सहसा उछली; हरी घास पर क्षण भर;

6. **नागार्जुन**

   बादल को घिरते देखा है; प्रतिबद्ध हूँ; अकाल और उसके बाद; घिन तो नहीं आती; बहुत दिनों के बाद; शासन की बंदूक;

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

1. यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त
2. भारतेन्दु समग्र : सं. नागरी प्रचारिणी सभा
3. काव्योपवन : हरिऔध
4. लहर : जयशंकर प्रसाद
5. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
6. परिमल : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
7. नये पत्ते : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
8. राग विराग-: संरामविलास शर्मा .
9. अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
10. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन

अनुमोदित ग्रंथ -

1. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य कमलाकांत पाठक .डॉ -
2. यशोधरा का काव्य सौंदर्यदुर्गाशंकर मिश्र -
3. गुप्त जी की काव्यधारा : गिरिजा दत्त शुक्ल
4. कविवर प्रसाद आँसू तथा अन्य कृतियाँ ,: विनय मोहन शर्मा
5. छायावाद : नामवर सिंह
6. प्रसाद का काव्य : डॉप्रेम शंकर .
7. कवि प्रसाद एक अध्ययन : रामरतन भटनागर
8. निराला की साहित्य साधना 2-भाग-: रामविलास शर्मा
9. नवजागरण और छायावाद : महेन्द्रनाथ राय
10. निराला काव्य की छवियाँ : नंद किशोर नवल
11. निराला काव्य के आयाम : डॉइन्द्रराज सिंह .
12. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
13. महादेवी : इन्द्रनाथ मदान (.सं)
14. महादेवी : दूधनाथ सिंह
15. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : डॉरामस्वरूप चतुर्वेदी .
16. नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
17. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : रामकमल राय

HIN-G-CC-4-4-TH(TU)

4. हिंदी गद्य साहित्य

1. **उपन्यास** : त्यागपत्र – जैनेन्द्रकुमार
2. **कहानी** : नमककादारोगा– प्रेमचंद
   आकाशदीप– जयशंकरप्रसाद
   परदा– यशपाल
   वापसी– उषाप्रियंवदा
3. **निबंध** : लोभऔरप्रीति– रामचंद्र शुक्ल
   कुटज– हजारीप्रसाद द्विवेदी

.....

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA
B.A. (General) HINDI
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSE)
HING-DSE

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहतउत्तरीय	प्रश्न 2 x	15 अंक = 30
	1x	10 अंक = 10
टिप्पणी	5x	5 अंक = 25

कुल योग =65

Semester 5

(निम्नलिखित में से कोई एक पाठ्यक्रम)

Group A

1. लोकसाहित्य
2. छायावाद

Semester 6

(निम्नलिखित में से कोई एक पाठ्यक्रम)

Group B

3. राष्ट्रीय काव्यधारा
4. प्रेमचंद

HIN-G-DSE-1 -5-TH(TU)

1. लोकसाहित्य

- लोकऔरलोकवार्ता, लोकसंस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ताऔरलोकसंस्कृति,
- लोकसंस्कृतिऔरसाहित्य, साहित्य औरलोककाअंतःसंबंध, लोकसाहित्य का
- अन्य सामाजिकविज्ञानोंसेसंबंध, लोकसाहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारतमेंलोकसाहित्य के अध्ययन काइतिहास, लोकसाहित्य के प्रमुख रूपोंका
- वर्गीकरण।लोकगीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड,
- तमाशा, नौटंकी।हिन्दीलोकनाट्य की परम्परा एवंप्रविधि। हिन्दीनाटक एवंरंगमंच
- परलोकनाट्योंकाप्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ औरअंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोकसंभाषितमुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवंलोकसंगीत।

2. छायावाद

- जयशंकरप्रसाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- सुमित्रानंदनपंत
- महादेवीवर्मा
  (उपर्युक्त कवियों की चयनितरचनाएँ विश्वविद्यालय अपनीअपेक्षा के अनुरूपपाठ्यक्रममें रख सकते हैं।)

HIN-G-DSE-2 -6-TH(TU)

3. राष्ट्रीय काव्यधारा

- मैथिलीशरणगुप्त
- माखनलालचतुर्वेदी
- सोहनलाल द्विवेदी
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
  (उपर्युक्त कवियों की चयनितरचनाएँ विश्वविद्यालय अपनीअपेक्षा के अनुरूपपाठ्यक्रममें रख सकते हैं।

5. प्रेमचंद

- उपन्यास–सेवासदन
- नाटक–कर्बला
- निबंध –साहित्य काउद्देश्य
- कहानियाँ –पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, दोबैलों की कथा।

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A. (GENERAL) HINDI

Language Core Course 2 / MIL

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 65 अंक
संगोष्ठी / सत्रांत पत्र	(Seminar/Term Paper)	- 15 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

कुल योग- 100 अंक

HIN-G-LCC2(1)-4-1-TH(TU)

1. हिंदीव्याकरणऔरसम्प्रेषण

- हिंदीव्याकरण एवंरचना–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं
- अव्यय कापरिचय।उपसर्ग, प्रत्यय तथासमास।पर्यायवाची शब्द,
- विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य
- शुद्धि, मुहावरेऔरलोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- संप्रेषण की अवधारणाऔरमहत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवंचर्चा : प्रक्रिया एवंबोध
- साक्षात्कार, भाषणकला एवंरचनात्मकलेखन

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

व्याकरण	= 30 अंक
भाव पल्लवन / संक्षेपण	= 10 अंक
रचनात्मक लेखन	= 10 अंक
टिप्पणी / परिभाषा 3 x 5	=15 अंक

कुल योग = 65 अंक

HIN-G-LCC2(2)-6-2-TH(TU)

2. हिंदीभाषाऔरसम्प्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवंविविध रूप
- हिंदीभाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवंअव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एंवव्यंजन।
- स्वर के प्रकार–ह्रस्व, दीर्घतथासंयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार–स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोषतथाअघोष।
- वर्णोंकाउच्चारणस्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथादन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतानतथासंधि।
- भाषासंप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचनतथालेखन।
- हिंदीवाक्य रचना, वाक्य औरउपवाक्य।वाक्य भेद।वाक्य का रूपान्तर।
- भावार्थऔरव्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहतउत्तरीय 2 x 10 = 20 अंक
पत्र लेखन = 10 अंक
भावार्थ = 10 अंक
टिप्पणी 5 x 5 =15 अंक

कुल योग = 65 अंक

THE UNIVERSITY OF CALCUTTA

B.A.(GENERAL) HINDI

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

HING-SEC

अंक विभाजन (सभी प्रश्न पत्रों के लिए मान्य) :-

लिखित परीक्षा	(Theory)	- 80 अंक
उपस्थिती	(Attendance)	- 10 अंक
विभागीय मूल्यांकन	(Internal Assessment)	- 10 अंक

	कुल योग-	100 अंक

लिखित परीक्षा (अंक विभाजन):-

वृहत प्रश्न	2 x 15 अंक = 30
व्यावहारिक प्रश्न	3 x 10 अंक = 30
टिप्पणी	4 x 5 अंक = 20

	कुल योग =80

Semester 3 or 5

(निम्न में से छात्र किसी एक पत्र को चुने):-

1. विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग
2. साहित्य और हिंदी सिनेमा

Semester 4 or 6 -

(निम्न में से छात्र किसी एक पत्र को चुने) :-

3. अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि
4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

HINA/HING-SEC-A-3/5-1-TH

1 विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग

- विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार,
- विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त।
- विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बन्धी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज।
- उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की
- भूमिका।
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबन्ध। हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।
- विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धान्त और अभिविन्यास (ले आउट)।
- विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ। हिन्दी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।

2.साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा,
- मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :
- आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
- 1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
- 1970 से 1990 : गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।

- 1990 से अद्यतन : तारे ज़मीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

HINA/HING-SEC-B-4/6-2-TH

3. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व।
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद।
- अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष – पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
  क. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद – हंस कुमार तिवारी
  ख. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद
- 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

4. दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

- माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भाषा–प्रयोग : लेखन, सम्पादन और प्रसारण का संदर्भ। रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा एवं वीडियो का व्याकरण एवं भाषिक वैशिष्ट्य।
- भाषा–प्रयोग : परिचय, संगीत, संलाप एवं एकालाप, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कथन, सहप्रयोग। श्रव्य–माध्यम और भाषा की प्रकृति, तान–अनुतान की समस्या, ध्वनि प्रभाव और निःशब्दता, मानक उच्चारण, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तिकरण।
- दृश्य–श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, सिनेमाई भाषा और संवाद की अदायगी।
- रेडियो–लेखन : रेडियो पत्रिका, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन। एफ.एमबैण्

ड पर प्रसारणार्थ शैक्षिक–सामग्री का सृजन।

- टेलीविजन–लेखन : समाचार, धारावाहिक, चर्चा–परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संरचना और प्रस्तुति।
- सिनेमा : 'सुजाता', 'शतरंज के खिलाड़ी' जैसी फिल्मों के बहाने हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा पर विचार। फिल्म–समीक्षा लेखन।